Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to introduce teaching of humanities in all senior secondary schools in the country.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा): शिक्षा सशक्तिकरण का अहम माध्यम है, जो देश की नागरिक संस्कृति को संवारने में अभूतपूर्व योगदान देता है, जिससे देश का सर्वांगीण विकास होता है।

वर्तमान में मोदी सरकार की पढ़े भारत – बढ़े भारत की शिक्षा नीति सराहनीय है। संविधान की धारा 45 के तहत प्राथमिक शिक्षा नि:शुल्क और अनिवार्य बनाई गई है। हमारे मूलभूत कर्तव्यों में भी सेक्शन 51 क में बच्चों की पढ़ाई पर ज्यादा जोर दिया गया है। संविधान की धारा 21 क में भी शिक्षा को मौलिक अधिकार के तहत लाया गया है।

आज 30 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार देश में 1187 केन्द्रीय विद्यालय हैं और उसमें 12 लाख 53 हजार 680 छात्रों की संख्या है। 629 नवोदय विद्यालय हैं, जिसमें 2 लाख 53 हजार 672 छात्रों की संख्या है। केवल उच्चतर माध्यमिक 11 हजार 436 विद्यालय हैं, जिसमें 33 लाख 55 हजार 613 छात्र पढ़ाई करते हैं।

देश के सभी उच्चतर माध्यमिक, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सर्वोदय विद्यालय, जिसमें सिर्फ कहीं-कहीं पर विज्ञान स्ट्रीम का प्रवाह, कॉमर्स स्ट्रीम ज्यादातर पढ़ाई जाती है। कई छात्रों और अभिभावकों की हम सब सांसदों के सामने मांग आई है कि ह्यूमेनिटी (आर्टस) भी इसके साथ सभी स्कूलों में पढ़ाई जानी चाहिए क्योंकि उनका लगाव उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से कट जाता है इसको बरकरार रखने के लिए उनके पंसदीदा आर्टस के विषय पढ़ाये जाने चाहिए तथा देश में तीनों स्ट्रीमों की पढ़ाई की नीति लागू की जाये। इससे देश में बच्चों की शिक्षा का विस्तार एवं संवर्द्धन हो सकेगा ।